डाक पंजीयनक्र. मालवा डिविजन /404/2025-27 RNI MPHIN/2022/86763

संघर्ष से सिद्धि

खबरों के साथ, हर नजरिये की बात

Sangharshsesiddhi@gmail.com

स्व. पूज्य पिता रतनलाल जी माहेश्वरी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी(जेल) रानापुर जिला झाबुआ के चरणों में सादर समर्पित

हिन्दी सांध्य दैनिक उज्जैन, गुरुवार 29 मई 2025 वर्ष-03 अंक-293 पृष्ठ-08, मूल्य-3ः 00

जबलपुर में डुमना एयरपोर्ट के करीब से संदिग्ध बांग्लादेशी गिरफ्तार, खुलासे से जांच एजेंसियां चौकन्ना

जबलपुर डुमना एयरपोर्ट कैंपस में घूम रहे एक युवक को केंद्रीय सुरक्षा बल ने अभिरक्षा में लिया। युवक की गतिविधियां संदिग्ध होने के कारण उसे पुलिस को सुपुर्द कर दिया गया। अभिरक्षा में लिया गया युवक बांग्लादेशी है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां उससे पूछताछ कर रही हैं। इसके बाद ही सारी स्थिति साफ हो पाएगी।

संदिग्ध युवक से पूछताछ जारी एएसपी आनंद कलादगी के अनुसार डुमना एयरपोर्ट से मिले संदिग्ध युवक से पूछताछ जारी है। युवक के संबंध में जानकारी एकत्र की जा रही है। साथ ही उसके पास से मिले दस्तावेज की जांच जारी है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसी हर एंगल से जांच कर रही है। अभिरक्षा में लिए गए युवक के संबंध में सभी जानकारी एकत्र की जा रही है। समस्त जानकारी एकत्र करने के बाद ही अधिकारिक तौर पर कुछ बताया जा सकता है।

जबलपुर में चाक चौबंद है सुरक्षा व्यवस्था गौरतलब है कि भारत-पाकिस्तान के बीच सरहद में तनाव बढ़ने के बाद से जबलपुर में सुरक्षा व्यवस्था और अधिक चाक-चौबंद कर दी गयी है। सैन्य दृष्टि से जबलपुर एक महत्वपूर्ण केंद्र है। अभिरक्षा में लिए गए युवक सिर्फ बंगाली भाषा में बात कर रहा है। जिसके कारण पूछताछ के लिए ट्रांसलेटर बुलाया गया है। अभिरक्षा में लिए गए युवक की उम्र लगभग 32 साल है।

जबलपुर क्यों आया उसके जबलपुर आने के उद्देश्य और आने के लिए उपयोग किए गए मार्ग के संबंध में भी जानकारी ली गयी है। साथ ही उसने जो जानकारी दी है, उसकी जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार अभिरक्षा में लिए गए युवक के संबंध में कल गुरुवार तक पूरी जानकारी प्राप्त होने की संभावना प्राप्त की गयी है। संदिग्ध बांग्लादेशी युवक को अभिरक्षा में जो जानकारी मिली है, उस संबंध में भोपाल और दिल्ली को सूचित कर दिया गया है। मुख्यालय से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुसार उससे पूछताछ जारी है।

मोदी सरकार के बड़े फैसले

धान, कपास समेत 14 फसलों का समर्थन मूल्य बढ़ाया

ब्याज सहायता योजना जारी रखने का ऐलान

संजय जैन (सह-संपादक) 942510-1357 883910-7012 गिद्ध दृष्टि

संजय जैन,सह-संपादक। उज्जैन केंद्रीय कैबिनेट की बुधवार को हुई बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए हैं। सरकार ने किसानों को सौगात देते हुए, एमएसपी में 50 फीसदी की बढ़ोत्तरी की है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, किसानों के लिए एक बड़ा फैसला लिया गया है। पिछले 10-11 वर्षों में खरीफ फसलों के लिए एमएसपी में भारी बढ़ोतरी की गई है। खरीफ विपणन सीजन 2025-26 के लिए एमएसपी को कैबिनेट द्वारा मंजूरी दी गई है। कुल राशि लगभग 2,07,000 करोड़ रुपये होने का अनुमान है।

1- फसलों के एमएसपी में बढ़ोतरी सरकार ने बुधवार को 2025-26 खरीफ विपणन सत्र के लिए धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 3 प्रतिशत बढ़ाकर 2,369 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने इस संबंध में निर्णय लिया। आगामी फसल वर्ष 2025-26 (जुलाई-जून) के खरीफ सत्र के लिए सामान्य और ए ग्रेड धान की किस्मों का समर्थन मूल्य 69 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाकर क्रमशः 2,369 रुपये और 2,389 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। दालों में अरहर का समर्थन मूल्य 450 रुपये बढ़ाकर 8,000 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है, जबकि उड़द का एमएसपी 400 रुपये बढ़ाकर 7,800 रुपये प्रति क्विंटल और मूंग का एमएसपी 86 रुपये बढ़ाकर 8768 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं को बताया कि सरकार ने 2025-26 के लिए खरीफ फसलों के एमएसपी में वृद्धि की है, ताकि उत्पादकों को उनकी उपज के लिए लाभकारी मूल्य सुनिश्चित किया जा सके। पिछले वर्ष की तुलना में एमएसपी में सबसे अधिक वृद्धि नाइजरसीड के लिए की गई है, इसके बाद रागी, कपास और तिल का स्थान आता है। 2025-26 के लिए खरीफ फसलों के समर्थन मूल्य में वृद्धि केंद्रीय बजट 2018-19 की घोषणा के अनुरूप है, जिसमें एमएसपी को अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत के कम से कम 1.5 गुना के स्तर पर तय करने की बात कही गई है।

2- किसानों के लिए ब्याज सहायता योजना जारी रखने को मंजूरी दी सरकार ने बुधवार को संशोधित ब्याज सहायता योजना (एमआईएसएस) को 2025-26 के लिए जारी रखने को मंजूरी दे दी, जिसके तहत किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के माध्यम से सस्ती दर पर अल्पकालिक ऋण मिलता है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि मौजूदा 1.5 प्रतिशत ब्याज सहायता के साथ वित्त वर्ष 2025-26 के लिए एमआईएसएस को जारी रखने का निर्णय केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा लिया गया। इस योजना को जारी रखने से सरकारी खजाने पर 15,640 करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा। एमआईएसएस एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है जिसका उद्देश्य केसीसी के माध्यम से किसानों को सस्ती ब्याज दर पर अल्पकालिक ऋण की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। एमआईएसएस के तहत, किसानों को केसीसी के माध्यम से 7 प्रतिशत की रियायती ब्याज दर पर 3 लाख रुपये तक का अल्पकालिक ऋण मिलता है, जिसमें पात्र ऋण देने वाली संस्थाओं को 1.5 प्रतिशत ब्याज सहायता प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त, समय पर ऋण चुकाने वाले किसान शीघ्र पुनर्भुगतान प्रोत्साहन (पीआरआई) के रूप में 3 प्रतिशत तक के प्रोत्साहन के पात्र होते हैं, जिससे केसीसी ऋण पर उनकी ब्याज दर प्रभावी रूप से 4 प्रतिशत तक कम हो जाती है। केवल पशुपालन या मत्स्य पालन के लिए लिए गए ऋणों के लिए ब्याज लाभ 2 लाख रुपये तक लागू है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि योजना की संरचना या अन्य घटकों में कोई बदलाव प्रस्तावित नहीं किया गया है। देश में 7.75 करोड़ से अधिक केसीसी खाते हैं।

3- बडवेल नेल्लोर फोर-लेन हाईवे को मंजूरी यह हाईवे बडवेल-गोपरावम गांव से लेकर गुरुविंदापुडी तक बनेगा। इसकी कुल लंबाईः 108.134 किलोमीटर होगी। इस फोर लेन बनाने की कुल अनुमानित लाग 3653.10 करोड़ रुपये आंकी गई है। बडवेल-नेल्लोर कॉरिडोर आंध्र प्रदेश के तीन प्रमुख औद्योगिक कॉरिडोरों से कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगा। यह कॉरिडोर कृष्णपट्टनम पोर्ट तक की यात्रा दूरी को 142 किमी से घटाकर 108.13 किमी कर देगा। परियोजना के माध्यम से लगभग 20 लाख मानव-दिनों का प्रत्यक्ष रोजगार और 23 लाख मानव-दिनों का अप्रत्यक्ष रोजगार उत्पन्न होगा।

4- कैबिनेट ने महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में भारतीय रेलवे में दो मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी कैबिनेट ने महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में दो मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी।

रंग लाई महाराज की मेहनत!

रेल मंत्रालय ने गुना-बेंगलुरु सीधी ट्रेन की दी सौगात

गुना: केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को मध्य प्रदेश के गुना जिले को बहुत बड़ी सौगात दी है। उन्होंने गुना से बेंगलुरु के बीच सीधी ट्रेन को मंजूरी दे दी है। यह फैसला केंद्रीय मंत्री योतिरादित्य सिंधिया के प्रयासों के बाद लिया गया है। वैष्णव ने इस उद्देश्य के लिए एक पत्र भी जारी किया है। इसमें ट्रेन नंबर 11085/11086 सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल, बेंगलुरु से ग्वालियर वाया गुना को चलाने की अनुमति दी गई है। इस ट्रेन से ग्वालियर-चंबल क्षेत्र के लोगों को, खासकर युवाओं को बहुत फायदा होगा। उन्हें काम के लिए बेंगलुरु जाने में आसानी होगी। दरअसल, केंद्रीय मंत्री योतिरादित्य सिंधिया ने रेल मंत्री को एक पत्र लिखा था। इसमें उन्होंने ग्वालियर-चंबल क्षेत्र के यात्रियों की कठिनाइयों के बारे में बताया था। जिसमें उनके गुना संसदीय क्षेत्र के लोग भी शामिल थे। महाराज ने खासकर शिक्षित युवाओं की समस्याओं का जिक्र किया था। सिंधिया ने लेटर में डायरेक्ट ट्रेन नहीं होने से यात्रा में दिक्कत का जिक्र किया था। साथ ही इस क्षेत्र से बेंगलुरु के लिए सीधी ट्रेन की मांग की थी।

25 फीसदी युवा कर रहे हैं काम केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने अपने पत्र में रेल मंत्री को बताया था कि उनके गुना संसदीय क्षेत्र के लगभग 25 प्रतिशत युवा है। जिनके पास तकनीकी और पेशेवर डिग्री है। साथ ही वे बेंगलुरु में काम कर रहे हैं और हर हफ्ते, अशोकनगर, शिवपुरी और गुना जिलों से सैकड़ों युवा IT और अन्य संबंधित क्षेत्रों में काम करने के लिए बेंगलुरु जाते हैं।

ट्रेन पकड़ने में बिगड़ जाते हैं घंटों केंद्रीय मंत्री ने यह भी बताया कि अभी युवाओं को ट्रेन पकड़ने के लिए बीना, भोपाल या ग्वालियर जाना पड़ता है। इससे उनकी यात्रा में 8-10 घंटे अतिरिक्त लग जाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस क्षेत्र में लगभग 40 लाख की आबादी के लिए, केवल ग्वालियर के रास्ते कोटा या बीना की ओर रेल मार्ग उपलब्ध है। इस वजह से सीधी कनेक्टिविटी की कमी है।

एसडीएम प्रीति संघवी ने 17 बीघा शासकीय भूमि को अतिक्रमको से मुक्त कराया प्रशासन ने की बड़ी कार्रवाई

राजू पटेल नीमच- सरवानिया महाराज क्षेत्र स्थित खेड़ापति बालाजी के पास जावी रोड पर शासकीय भूमि पर लंबे समय से चले आ रहे अवैध कब्जे को एसडीएम प्रीति संघवी ने पुलिस ओर नगर परिषद के सहयोग से बुधवार को प्रभावी कार्रवाई कर अतिक्रमको के कब्जे से मुक्त कराया। उक्त शासकीय भूमि करीब 17 बीघा में फैली हुई थी, जिसकी बाजार कीमत लगभग 8 करोड़ रुपए बताई गई है।प्रशासन को मिली शिकायतों के आधार पर यह जानकारी सामने आई थी कि हकीम पिता अल्लानूर मंसूरी, तालिम हुसैन पिता अल्लानूर मंसूरी, सागरमल पिता मोहनलाल पाल और मोहनलाल पिता भेरूलाल तेली द्वारा उक्त भूमि पर अवैध कब्जा कर निर्माण कार्य किया गया

था।मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन ने कार्यवाही की पूरी रूपरेखा तैयार की और बुधवार तड़के सुबह 5 बजे पूरी टीम सरवानिया महाराज पहुंची।जहा एसडीएम प्रीति संघवी के नेतृत्व में तहसीलदार नवीन गर्ग, थाना प्रभारी जितेन्द्र वर्मा, चौकी प्रभारी श्याम कुमावत, मुख्य नगर पालिका अधिकारी अब्दुल रऊफ खान, राजस्व निरीक्षक, पटवारी सहित नगर परिषद का अमला तथा 150 पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में कार्रवाई को अंजाम दिया गया।जमीन को कब्जाधारियों से मुक्त कराने के बाद वहां खाई खोदी गई ताकि दोबारा अतिक्रमण न हो सके। यह कार्रवाई अतिक्रमणकारियों के खिलाफ प्रशासन की सख्ती का प्रमाण है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शासकीय भूमि पर कब्जा करने वालों के खिलाफ इसी तरह सख्त कदम उठाए जाते रहेंगे।स्थानीय लोगों ने प्रशासन की इस कार्रवाई का स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि भविष्य में भी ऐसी ही तत्परता दिखाई जाएगी।

तेज हवा व पानी के चलते बार बार प्रभावित विद्युत व्यवस्था के सुधार में जुटी कम्पनी की टीम

राजेश नाहर 9479973888

खेतिया विगत दिनों तेज हवा आँधी के चलते शहर व ग्रामीण क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति लगातार प्रभावित होती रही।तेज हवा चलने से शहर में कई जगह खम्भों से तार टूट गए। विद्युत सप्लाई लगातार प्रभावित हो रहा है।मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी के स्थानीय कनिष्ठ यंत्री बी डी किराड़े आज स्वयं टीम के साथ शहर के विद्युत आपूर्ति में होने वाली बाधा को दूर करने में जुटे है।खम्भो पर तारो का संयोजन व्यवस्थित किया जा रहा वही झूलते हुए तारो को बांस की चिपली लगाकर व्यवस्थित किया जा रहा ताकि तेज हवा में आपस मे तार न टकराए।शहर के शिवजी चौक,टैगोर चौक की डीपी का भी मेंटेनेंस करवाया।

वर्तमान में बारिश का भी समय है वही हवाओ के बाद गर्मी निरन्तर है ऐसे में विद्युत आपूर्ति नियमित बनी रहे इस हेतु प्रयास किया जा रहा

कनिष्ठ यंत्री किराड़े ने बताया कि नगर मे ओर अन्य कार्य जो करवाने योग्य हे जल्द हि करवाया जावेगा ,उपभोक्ताओं कि समस्या लाइन सम्बंधित जो जानकारी मे आयेगा जल्द किया जावेगा,,शहर में विद्युत आपूर्ति निरन्तर बनी रहे इस हेतु आवश्यक व्यवस्था की जा रही है।आवश्यक सुधार होने से राहत हो सकेगी।

रतनगढ़ में चारण समाज ने दिया कांग्रेस नेता भानु प्रताप के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग को लेकर ज्ञापन

मामला-जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा चारण समाज को झूठा, मक्कार और चाटूकार बताते हुए झूठे व्यक्तियों से तुलना कर अपमान करने का।

निर्मल मूंदड़ा रतनगढ़- नगर में चारण समाज के द्वारा ज्ञापन दिया गया एवं कांग्रेस नेता के ऊपर मुकदमा दर्ज करने की मांग की गई। ज्ञात रहे कि बुधवार को नीमच जिले के एक दैनिक समाचार पत्र में अपना वक्तव्य जारी करते हुए युवक कांग्रेस जिला अध्यक्ष भानुप्रताप राठौड़ के द्वारा चारण समाज का अपमान करते हुए इसे झूठा एवं मक्कार बताया गया। इसके विरोध में रतनगढ़ चारण समाज के द्वारा बड़ी संख्या में एकत्रित होकर स्थानीय पुलिस थाना परिसर मे रतनगढ़ थाना प्रभारी विरेन्द्र झा एवं टप्पा तहसील कार्यालय परिसर में नायब तहसीलदार शत्रुघ्न चतुर्वेदी को ज्ञापन दिया गया।थाना परिसर में ज्ञापन का वाचन युवा समाजसेवी जोगेंद्र चारण एवं तहसील कार्यालय में ज्ञापन का वाचन युवा समाजसेवी नेमीचंद चारण के द्वारा किया गया।चारण समाज द्वारा दिए गए ज्ञापन में मांग की गई कि जिला युवक कांग्रेस के बड़बोले नेता भानुप्रताप सिंह पिता उमराव सिंह राठौड़ निवासी भाटखेड़ा जिला नीमच के द्वारा देश के लिए सदैव त्याग एवं बलिदान करने वाली कौम चारण समाज को झूठा मक्कार एवं चाटूकार बताते हुए, झूठे व्यक्तियों से तुलना करते हुए अपने वक्तव्य में झूठे आरोप लगाते हुए पूरे चारण समाज को गाली दी है। इनका यह आरोप आज के एक दैनिक समाचार पत्र में उनके स्वयं के फोटो के साथ प्रकाशित हुआ है। हम समस्त चारण समाज के लोग इस थोती लोकप्रियता पाने के लिए घटिया राजनीति करने वाले भानु प्रताप सिंह राठौड़ के खिलाफ कठोर कार्यवाही की मांग करते हैं जिनके द्वारा सामाजिक वैमनस्यता एवं भड़काऊ बयान देकर वातावरण को खराब करने का प्रयास किया है। इस संपूर्ण घटना क्रम के कारण संपूर्ण जिले भर के चारण समाज में गहरा रोष एवं आक्रोश व्याप्त है। अत:आरोपी के खिलाफ तुरंत मुकदमा दर्ज कर कठोर कार्रवाई करने की जाए।

सर्व रोग निदान एवं जाँच शिविर का हुआ आयोजन

निरोगी रहने के लिए खुद स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें -एसडीएम

विशाल बाबा नामदेव बाग- सब आरोग्य रहें इसके लिए जरूरी है कि हम स्वस्थ रहने के स्वयं को अनुकूल बनाएं । पंच तत्वों का नि:शुल्क उपहार प्रकृति हमे दे रही है किन्तु उसका सदुपयोग सही अनुपात में नहीं कर पाते हैं इन्ही उद्देश्य को अपनाते हुए नगर के समाजसेवी द्वारा सर्व रोग निदान एवं जाँच शिविर का आयोजन किया गया । नगर के मध्य स्थित माहेश्वरी धर्मशाला बाग में निमाड़ का सबसे विख्यात अस्पताल संजीवनी हॉस्पिटल × रिसर्च सेन्टर व नगर के समाजसेवी युवाओं के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को आयोजित सर्व रोग निदान एवं जाँच शिविर सम्पन्न हुआ । इस अवसर कुक्षी एसडीएम विशाल धाकड़ (आईईएस) ने कहा कि सब निरोगी रहें इसके लिए स्वयं का प्रयास होना चाहिए । जब तक हम स्वयं स्वास्थ्य के प्रति सजग नहीं रहेंगे तब तक रोगों का हम पर असर बना रहेगा । अपनी काया को निरोगी बनाए रखने के लिए अपने स्तर पर ही प्रयास की आवश्यकता होती है । क्योंकि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है इन्ही विचारों के साथ उपस्थित डॉक्टरों और आयोजकों का आभार व्यक्त किया। शिविर में कुल 200 से अधिक विभिन्न बीमारियों के रोगियों के पंजीयन करवाया था

,जिस मे 155 रोगियों को रोगों के निदान ,जांच व परामर्श की आयोजक समाजसेवी ने जानकारी देते हुए आभार व्यक्त किया ।

संजीवनी हॉस्पिटल की विशेषज्ञ डॉ रश्मि पाटीदार ने मानव सेवा के ध्येय के लक्ष्य पर चलने के हॉस्पिटल के उद्देश्य पर प्रकाश डाला । शिविर में उपस्थित रोगियों को ब्लड टेस्ट कर निशुल्क दवाईयां उपलब्ध कराई गई। शिविर में डॉ लखन पाटीदार, डॉ अश्विन पाटीदार, डॉ सौम्य जैन, डॉ दुर्गासीह चौहान, डॉ पुष्पेंद्र सहने, उपस्थित रहे ।

25 आयुष्मान कार्ड शिविर मे बनाये शासन की महत्वपूर्ण योजना को जमीन स्थान पर क्रियान्वन करने हेतु स्वास्थ्य विभाग के गर्मियों द्वारा नगर में आयोजित रोग निदान शिविर में उपस्थित 25 व्यक्तियों के आयुष्मान भारत कार्ड बनाकर योजना का लाभार्थी बनाया ।

शिवर के शुभारंभ पर नायब तहसीलदार, सरपंच, उपसरपंच,जनप्रतिनिधियों सहित नगर के अनेको युवा समाजसेवी ने अपना अमूल्य योगदान देकर शिवर को सफल बनाया।

राणापुर में भगवान शनि देव जी का जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया नन्हे बच्चों द्वारा शनि देव मंदिर पर केक काट कर भगवान का जन्मोत्सव मनाया

पंकज गोस्वामी/संजय राठौर राणापुर- पदम वशीय मेवाड़ा राठौड़ तेली समाज ने भगवान शनि देव जी का जन्मोत्सव धूमधाम के साथ मनाया इस अवसर पर मंदिर को आकर्षक सजाया सुबह से लेकर रात तक धार्मिक आयोजन हुए कार्यक्रम में समाजजनों ने बढ चढ़ कर हिस्सा लिया भगवान शनि देव जन्मोत्सवपर मंदिर पर सुबह 5:00 से भगवान के पूजा पाठ का सिलसिला प्रारंभ हो गया भगवान शनि देव जी को तेल उड़द नारियल मिठाई आदि अर्पण करने का सिल सिला चला सुबह 9:00 बजे भगवान शनि देव जी का चल समारोह निकाला बैंड बाजे ओर दो अश्वके साथ भगवान के भजन ओर झंडे के साथ भगवान शनि देव जी की चलित चांदी की प्रतिमा को पालकी में सजाकर नगर भ्रमण कराया गया

बच्चों माता बहनों द्वारा भगवान के जन्मोत्सव पर राणापुर के प्रमुख चौराहे पर नाच गाना किया गया दोपहर 1:00 भगवान शनि देव जी का तेल से अभिषेक किया गया अभिषेक के लाभार्थी संजय मगनलाल राठौड़ द्वारा लिया गया और शाम 4:00 बजे शनि मंदिर पर ध्वजा रोहण किया गया ध्वजारोहण के लाभार्थी बंसीलाल नारायण राठौड द्वारा लिया गया और शाम 5:00 बजे भगवान शनि देव जी की जन्मोत्सव की आरती के पहले नन्हे नन्हे बच्चों के द्वारा केक काट कर भगवान का शनि देव जी का बर्थडे मनाया गया आरती के लाभार्थी नारायणलाल नंदा राठौड़ द्वारा लिया गया और रात 8:00 बजे भगवान शनि देव जी के 10 पाठ संगीत के साथ किए गए साथही राणापुर पुलिस प्रशासन द्वारा बहुत अच्छा सहयोग दिया गया और राणापुर नगर परिषद द्वारा भी साफ सफाई का भी भरपूर ध्यान दिया गया।

शनि जयंती पर आस्था का उमड़ा जनसैलाब

शनि जयंती हर्षोल्लास से मनाई

विशाल बाबा नामदेव बाग- प्रति वर्षनुसार इस वर्ष भी शनि जयंती धूमधाम से मनाई गई। नगर के गंगा कुई धाम

स्थित शनि मंदिर में मंगलवार अमावस्या को शनि जयंती मनाई गई।

गंगाकुई धाम मे विराजमान संत श्री सुरजपुरी महाराज के आशीर्वाद

और सानिध्य में अल सुबह से तिल तेल से भगवान अभिषेक किया गया। विद्वान पंडितो के द्वारा हवन में मंत्रोच्चार के साथ आहुतियां डाली गई ।सुबह से ही दर्शनार्थी भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी साथ ही संध्या आरती के पश्चात विशाल भंडारे का? आयोजन किया। इस अवसर पर नगर सहित आसपास के हजारों श्रृद्धालुओं ने महाआरती व महाप्रसादी का लाभ लिया ।

मामला-महू में मंत्री विजय शाह के विवादित भाषण का -तब तो मंच पर मुस्कुराती नजर आईं विधायक

अब बोलीं मैंने तो सुना ही नहीं उन्होंने क्या बोला....?

सवाल खड़े कर दिए मंत्री की गैर-मौजूदगी ने राजनीतिक हलकों में.....

झाबुआ/इंदौर। । संजय जैन–सह संपादक। 20 मई को इंदौर में प्रदेश सरकार की पहली बार केबिनेट मीटिंग के शामिल होने लिए एक के बाद एक सायरन बजाती गाड़ियों का काफिला राजवाड़ा इंदौर के मुख्य द्वार पर रुकता जा रहा था। जैसे ही मंत्री के वाहन का गेट खुला,कैबिनेट मीटिंग कवर करने आये विभिन्न चैनलों के कैमरापर्सन और अखबारों के फोटो जर्नलिस्ट अलर्ट हो जाते थे,क्योंकि सबका सिर्फ और सिर्फ एक ही टारगेट था,मंत्री विजय शाह..। हालांकि तय था कि हाईकोर्ट द्वारा लिए स्वत संज्ञान के चलते सरकार अपनी किरकिरी नहीं कराएगी,अंतत शाह तो नहीं आए, लेकिन कैबिनेट मीटिंग में शामिल होने पूर्व मंत्री–विधायक उषा ठाकुर पहुंची,उनको इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने बाइट लेने के लिए उन्हें घेर लिया। वीडियो वायरल होने के बाद से जिस तरह प्रदेश भाजपा के नेता मंत्री विजय शाह मामले में कानून अपना काम करेगा की पारंपरिक लाईन बोलकर बच रहे हैं,ठीक कुछ ऐसा ही रवैया विधायक उषा ठाकुर के बयान का भी रहा। 17 मई को उन्होंने कहा कि जो होना था वो हो गया,भाजपा संगठन अपना काम करेगा। राजवाड़ा के मुख्यद्वार के बाहर मीडिया ने जब उस दिन विजय शाह के बयान पर प्रश्न पूछे तो,उनकी पहली प्रतिक्रिया थी कि उन्होंने विजय शाह को भाषण देते हुए देखा था लेकिन मंच पर मौजूद होने के बावजूद हम उन्हें सुन नहीं पाए थे.....!

दोनो ही धन्यवाद कह कर रवाना हो गए....

कैलाश विजयवर्गीय–मंत्री

इंदौर में प्रदेश सरकार की पहली बार केबिनेट मीटिंग ऐतिहासिक राजबाड़ा इंदौर पर हुई थी। इसमें शामिल होने आए मंत्री तो इस मुद्दे पर बोलने से बचते रहे थे, लेकिन केबिनेट के फैसलों की प्रेस ब्रीफिंग करने आए मंत्री कैलाश विजयवर्गीय संबंधित जानकारी देने के बाद,जैसे ही प्रश्नों का सिलसिला शुरु हुआ वे और सीपीआर डॉ.सुदाम खाड़े दोनो ही धन्यवाद कह कर रवाना हो गए।

दीदी-दीदी एक मिनट.....

दोपहर में विधायक उषा ठाकुर जब कैबिनेट स्थल पर पहुंची थी,तो उन्हें मीडिया ने घेर लिया था। एक के बाद एक को वो बाइट दे कर जैसे ही आगे बढ़तीं,कोई अन्य चैनल वाला फिर रोक लेता...दीदी–दीदी एक मिनट.....वो सवाल दोहराते,उस दिन विजय शाह ने जो बयान दिया उस पर आप क्या कहेगी....? आप भी एक मातृ शक्ति महिला जन प्रतिनिधि हैं तो आप सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी के अपमान पर क्या कहेगी....? राष्ट्रवाद की परोकार नेत्री उषा ठाकुर ऐसे सारे सवालों का वह नपे–तुले शब्दों में सबको एक सा जवाब देते हुए,मासूमियत से कह रही थी, हम सब ने विजय शाह को भाषण देते हुए देखा,लेकिन मंच पर मौजूद होने के बावजूद हम उन्हें सुन नहीं पाए थे। मंच पर जो स्पीकर लगे थे,उनका मुंह सामने था, हम लोग पीछे बैठे थे,स्पीकर की आवाज हम तक आई ही नहीं थी,वे देशभक्ति के जोश में थे। इस मामले में जब दूसरे दिन इस पर हंगामा हुआ,तब हमने पूरा परिप्रेक्ष्य देखा,लेकिन जो उन्होंने कहा,वो मैंने सुना ही नहीं ..... उनका यह बयान इस बात का भी संकेत है कि पार्टी के नेता और सरकार के अन्य मंत्रियों ने भी गले की हड्डी बने विजय शाह के विवादित बयान से बचने का शायद रास्ता तलाश लिया है। वे शायद इस मामले में प्रतिक्रिया देना ही नहीं चाहते है।

जबकि 17 मई को विधायक उषा ठाकुर ने यह कहा था-ट्रेनिंग आयोजित की जानी चाहिए.....

उषा ठाकुर- विधायक,पूर्व मंत्री

मंच पर मुस्कुराती हुई नजर आईं महू से विधायक उषा ठाकुर ने शाह के विवादित बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि जो होना था, वह हो चुका है,कांग्रेस अपना काम करें। सभी लोग भली–भांति जानते हैं कि किसी की भी मंशा इस प्रकार की नहीं हो सकती है। जो होना था,वह हो चुका है,कभी–कभी जुबान फिसल भी जाती है,ऐसे विषयों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। उन्होंने भाजपा संगठन के निर्णयों को लेकर कहा कि अच्छा वक्ता बनाने के लिए हर साल एक ऐसी ट्रेनिंग आयोजित की जानी चाहिए, ताकि सभी नेता और कार्यकर्ता सही मार्गदर्शन पा सकें।

खड़ी हो चुकी राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी भी,शाह के समर्थन में....

प्रतिमा बागरी- राज्यमंत्री

सीएम डा.मोहन यादव के कैबिनेट में उनकी सहयोगी और राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी भी शाह के समर्थन में खड़ी हो चुकी हैं। पिछले दिनों दिए बयान में राज्यमंत्री बागरी ने कह चुकी हैं कि बयान के जो शब्द है,वो अनुपयुक्त है लेकिन उन्होंने स्पष्टीकरण भी दिया है कि उनके कहने का तात्पर्य वह नहीं था। उन्होंने कहा कि निश्चित दौर पर शब्दों की हेरा–फेरी जरूर हुई हैं,बयान में कही भी अपमानित करने की मंशा तो नहीं हैं।

यह सब कहा था विजय शाह ने उस वीडियो में.....

विजय शाह- जनजातीय कार्य मंत्री

सोफिया कुरैशी- वीर जवान कर्नल

राजाराम कटारा-हमला अभियान,झाबुआ

महू के रायकुंडा गांव में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर आपत्तिजनक बयान दिया था। वायरल वीडियो के अनुसार, उन्होंने कहा था कि पाकिस्तानियों ने हमारे देश के लोगों के कपड़े उतारे ,लेकिन हमने उनकी समाज की बहन-कर्नल सोफिया कुरैशी को भेजकर उनकी ऐसी तैसी करवा दी। विजय शाह ने आगे ये भी कहा कि आतंकियों ने कहा था,मोदी को बताना कि उन्होंने हमारे हिंदुओं को मारा और उनके कपड़े उतारे। इसलिए मोदी जी ने उनकी बहन को हमारी सेना के जहाज में भेजा, ताकि वो उन्हें सबक सिखा सके। इस दौरान मंच पर बीजेपी विधायक उषा ठाकुर व झाबुआ के सामाजिक कार्यकर्ता राजाराम कटारा समेत कई लोग मौजूद थे। मंत्री की गैर-मौजूदगी ने राजनीतिक हलकों में सवाल खड़े कर दिए हैं। इससे पहले 20 मई को इंदौर के राजवाड़ा पैलेस में आयोजित विशेष कैबिनेट बैठक में भी वह शामिल नहीं हुए थे,जो अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जयंती के उपलक्ष्य में थी।ताजा जानकारी नुसार सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट को सुनवाई के लिए कल रोक दिया। एसआइटी कमिटी ने शाह के बयान नही लिए है इसलिए उन्हें जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने हेतु जुलाई का तक वक्त दिया गया है।

संपादकीय

यदि खतरना टर्बुलेंस में फंस जाए विमान तो संयम बरते यात्री

हाल ही में हुई इंडिगो और मई 2022 की स्पाइसजेट दुर्घटनाओं के उदाहरण लेते हैं। दोनों ही मामलों में, पायलटों ने यात्रियों को आगे टर्बुलेंस के बारे में चेतावनी दी और उन्हें बैठे रहने और सीट बेल्ट बांधने के निर्देश दिए। इंडिगो की उड़ान को स्पाइसजेट की उड़ान की तुलना में बहुत अधिक गंभीर टर्बुलेंस का सामना करना पड़ा, लेकिन किसी भी यात्री को चोट नहीं आई। यह माना जा सकता है कि सभी यात्रियों और चालक दल ने अपनी सीट बेल्ट बांध रखी थी। स्पाइसजेट के मामले में, जांच की अंतिम रिपोर्ट में कहा गया है कि स्पाइसजेट के पायलट-इन-कमांड ने दो बार यात्रियों को सीट बेल्ट बांधे रखने के लिए कहा था। जब टर्बुलेंस आया, तो कई यात्री जिन्होंने सीट बेल्ट नहीं पहनी थी, अपनी सीटों से उछल गए और उन्हें चोटें आईं। साफ है कि यदि प्लेन खतरनाक टर्बुलेंस में फंस जाए तो यात्री संयम रखें और पायलटों की बात मानें।

पिछले हफ्ते, दिल्ली से श्रीनगर जा रही इंडिगो की एक फ्लाइट भयंकर तूफान में फंस गई। फ्लाइट पर ओले भी गिरे। जब फ्लाइट लैंड हुई, तो उसका आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो चुका था। कई अनुभवी यात्रियों ने कहा कि उन्होंने पहले कभी इतना खतरनाक टर्बुलेंस (हवा में झटके) नहीं देखा था। इस मौसम में टर्बुलेंस होना आम बात है। इस समय विमानों को कई तरह की खतरनाक मौसम संबंधी गतिविधियों का सामना करना पड़ता है। लेकिन, दिल्ली-श्रीनगर इंडिगो फ्लाइट के यात्री जरूर डर गए थे। अच्छी बात यह रही कि किसी को चोट नहीं आई। हालांकि, तीन साल पहले, मई महीने में ही मुंबई से दरभंगा जा रही स्पाइसजेट की एक फ्लाइट टर्बुलेंस में फंस गई थी। वह टर्बुलेंस इंडिगो की फ्लाइट जितना खतरनाक नहीं था, लेकिन फिर भी 18 यात्रियों को चोटें आई थीं। उनमें से एक यात्री की एक महीने बाद मौत हो गई थी। हाल के वर्षों में हर साल भारत में विमानों को प्री-मानसून यानी अप्रैल से मध्य जून तक गंभीर टर्बुलेंस का सामना करना पड़ता है। जैसे-जैसे सूरज धरती को तपाता है, भारतीय उपमहाद्वीप के ऊपर का आसमान खतरनाक रूप से अस्थिर हो जाता है। दिन के समय, जमीन बहुत जल्दी गर्म हो जाती है। गर्म हवा के झोंके ऊपर की ओर उठते हैं। ये ठंडी और नमी वाली हवा से मिलते हैं। इससे बादल बनते हैं और मौसम अस्थिर हो जाता है। छोटा नागपुर पठार (जो झारखंड में है और छत्तीसगढ़, बिहार, पश्चिम बंगाल और ओडिशा तक फैला हुआ है) के ऊपर भयानक तूफान आते हैं। इन्हें नॉरवेस्टर या काल बैसाखी कहा जाता है। ये तेज हवाएं आमतौर पर उत्तर-पश्चिम से आती हैं और अचानक तेजी से टकराती हैं। हर प्री-मानसून टर्बुलेंस की घटना काल बैसाखी नहीं होती है। लेकिन, ये सभी तूफान प्री-मानसून के मौसम में दोपहर में या सूर्यास्त से ठीक पहले सबसे ज्यादा खतरनाक होते हैं। इंडिगो की फ्लाइट जिस टर्बुलेंस में फंसी थी, वह शाम 5.57 बजे हुई थी। लेकिन, इसे आधिकारिक तौर पर काल बैसाखी की घटना नहीं माना गया है। स्पाइसजेट की 2022 की घटना शाम 7 बजे हुई थी। यह काल बैसाखी की घटना हो सकती है, क्योंकि यह उसी जगह और समय पर हुई थी। भारत के अन्य हिस्सों में प्री-मानसून के महीनों में गर्मी और नमी के कारण क्युमुलोनिम्बस बादल (बहुत ही विशाल और ऊंचे बादल, जो अकसर गरज और बिजली के साथ आते हैं) बनते हैं। इसे सीबी बादल भी कहते हैं। ये बादल 700 फीट से लेकर 50,000 फीट तक की ऊंचाई तक बन सकते हैं। माउंट एवरेस्ट की चोटी 29,000 फीट पर है। एक यात्री विमान लगभग 43,000 फीट की ऊंचाई पर उड़ सकता है। यह ऊंचाई विमान के प्रकार के अनुसार अलग-अलग होती है।

विनाश का कारण न बन जाए हीट रिस्क का फैलाव

जलवायु परिवर्तन की दुश्वारियों में से एक देश और दुनिया के देशों में हीट रिस्क के व्यापक प्रभाव से आसानी से समझा जा सकता है। यदि हम भारत की ही बात करें तो 2011 से 2022 के दशक के अध्ययन के अनुसार देश में हीट रिस्क का दायरा बहुत अधिक बढ़ गया है। मजे की बात यह है कि अब दिन की तुलना में रातें भी अधिक गर्म होने लगी है। इसका एक बड़ा कारण आज की भवन निर्माण विधि और शहरों में कंक्रिट का जंगल विकसित होना और अन्य के साथ ही इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद खासतौर से अत्यधिक उर्जा खपत वाले फ्रीज और कूलर की जगह लेते एयरकंडीशनर भी एक है। घटते जंगल और आबादी का दबाव भी एक बड़ा कारण है। ऊर्जा के रुप में जो संसाधान उपयोग किये जा रहे है वे भी जलवायु परिवर्तन का प्रमुख कारक बन रहे हैं।

जलवायु परिवर्तन की दुश्वारियों में से एक देश और दुनिया के देशों में हीट रिस्क के व्यापक प्रभाव से आसानी से समझा जा सकता है। यदि हम भारत की ही बात करें तो 2011 से 2022 के दशक के अध्ययन के अनुसार देश में हीट रिस्क का दायरा बहुत अधिक बढ़ गया है। मजे की बात यह है कि अब दिन की तुलना में रातें भी अधिक गर्म होने लगी है। इसका एक बड़ा कारण आज की भवन निर्माण विधि और शहरों में कंक्रिट का जंगल विकसित होना और अन्य के साथ ही इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद खासतौर से अत्यधिक उर्जा खपत वाले फ्रीज और कूलर की जगह लेते एयरकंडीशनर भी एक है। घटते जंगल और आबादी का दबाव भी एक बड़ा कारण है। ऊर्जा के रुप में जो संसाधान उपयोग किये जा रहे है वे भी जलवायु परिवर्तन का प्रमुख कारक बन रहे हैं। काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरमेंट एंड वॉटर सीईईडब्ल्यू की हालिया रिपोर्ट अत्यधिक चिंतनीय और हालात की गंभीरता को दर्षाती है। रिपोर्ट की माने तो देश की तीन चौथाई आबादी आज हीट रिस्क की जद में आ चुकी है। देश के 734 जिलों में से 417 जिले तो अत्यधिक जोखिम वाले जिलों में शुमार हो चुके हैं। कम जोखिम वाले जिलों में तो केवल और केवल 116 जिले ही रह गये हैं। हालात की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि वैसे तो हीट रिस्क के दायरें में नॉर्थ ईस्ट और उत्तरी भारत के नाममात्र के क्षेत्र को छोड़ दिया जाये तो समूचा देश आज हीट रिस्क के दायरें में आ चुका है। देश के 10 जिले राजस्थान, दिल्ली, आंध्र प्रदेश, केरल, गोवा, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, तमिलनाडु और उत्तरप्रदेश हीट रिस्क की अत्यधिक जद में आये प्रदेश व केंद्र शासित राज्य है। ऐसा नहीं है कि हमारे देश में ही हीट रिस्क का दायरा बढ़ रहा है। अपितु अब यह वैश्विक समस्या हो चुकी है। दुनिया के देशों में तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। तेज गर्मी की तपन से हालात दिन प्रतिदिन बिगड़ते जा रहे हैं। जंगलों में दावानल और बैमौसम आंदि तूफान, सूखा या बाढ़ ऐसी समस्यायें आने लगी है जिससे साल दर साल अब अधिक दोचार होना पड़ रहा है। अमेरिक का फर्नेस क्रीक सबसे अधिक गर्म स्थान है तो ट्यूनिशिया का केबिली, कुवैत का मित्रिबाह, ईरान का अहबाज और लुट रेगिस्तान, चीन का फ्लेमिंग आदि स्थान ऐसे है जो सर्वाधिक गर्मी वाले स्थान है। इसके साथ ही मौसम के मिजाज में भी बदलाव आया है। सर्दी में गर्मी और गर्मी में सर्द रात जैसे व असमय आंधी बरसात आम होती जा रही है। गर्मी के दिन बढ़े है। फरवरी तक अब अपनी परंपरागत मौसम का दायरा छोड़ते हुए अत्यधिक गर्मी वाले महीनों में से एक होने लगा है। आखिर यह मौसम का बदलाव भावी संकट की और साफ साफ इशारा कर रहा है। समुद्र का जल स्तर बढ़ रहा है। ग्लेशियर तेजी से पिघलने लगे हैं। समुद्र किनारे के शहरों के सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है। अब डूबने का ड़र सताने लगा है। अमेरिका ही नहीं दुनिया के अन्य देशों के जंगलों में जिस तेजी से आग की घटनाएं बढ़ रही है वह अपने आप में अलग चुनौती होती जा रही है। बीमारियों का असर बढ़ रहा है। हालात गंभीर होते जा रहे हैं। हीट रिस्क के बढ़ते दायरे को देखते हुए आज हीट एक्शन प्लान बनाये जाने लगे हैं। हांलाकि कि यदि केवल सामान्य नागरिकों के बढ़ती गर्मी के कारण होने वाले प्रभाव पर ही बात की जाए तो गर्मी बीमारियों का प्रमुख कारण बनती जा रही है। कई मिलियन मौतों का कारण हीट वेव है। निर्जलीकरण तो एक प्रमुख कारण है ही इसके साथ ही कार्डियोरेस्पिरेटरी के मामलें आम होते जा रहे हैं। अनिद्रा, तनाव, श्वास लेने में परेशानी, दस्त, पेट दर्द, फूड पोइजनिंग और तापघात आदि बीमारियों का प्रकोप लूताप के कारण दुनिया के देशों में बढ़ता जा रहा है। जिस तेजी से हीट रिस्क का विस्तार होता जा रहा है उससे आने वाले समय में और अधिक गंभीर हालातों का सामना करना पड़ेगा। किसी समय भारतीय परंपरा के अनुसार नौतपा ऐसा समय होता था जब सबसे अधिक गर्मी पड़ती थी। यह भी माना जाता था कि जितना अधिक नौतपा प्रभावी रहेगा उतना ही अच्छी बरसात होगी। पर आजकल यह सारे कंसेप्ट बेमानी होते जा रहे हैं नौतपा के पहले ही इतना तप चुका होता है कि एक एक दिन निकालना भारी हो जाता है। इसके साथ ही कही ना कही गर्मी मौत का या विनाश का कारण ना बने इसके बारे में वैज्ञानिकों को गंभीर मंथन करना होगा। जिस तरह से आज हमारे घर ही तापमान की बढ़ोतरी का कारण बनते जा रहे हैं उसका कोई ना कोई पर्यावरण सहयोगी साधन खोजने होंगे। पहले मकानों में चूने का उपयोग होता था तो दीपावली पर कली भी चूने की होती थी पर आज सारे हालात बदल गए हैं। एक तो गगनचुंबी इमारते और फिर उसका निर्माण लोहे सीमेंट से और इसके साथ ही दैनिक उपयोग के तापमान बढ़ाने वाले सामानों, उपकरणों के उपयोग के चलते बढ़ते तापमान को नियंत्रित करने की बात करने का कोई अर्थ नहीं रह जाता है। ऐसें में गर्मी के कारण चौराहों पर हरी पट्टी तान देने या सड़कों पर पानी का छिड़काव करना कोई समाधान नहीं हो सकता बल्कि वैज्ञानिकों और नीति नियंताओं को गंभीर चिंतन करते हुए समय रहते हुए तापमान की बढ़ोतरी के कारकों को नियंत्रित करने के उपायों पर ठोस प्रयास करना होगा।

बता दें कि भारतभर में पड़ रही भीषण गर्मी को लेकर एक नई स्टडी सामने आई है। नए अध्ययन के अनुसार भारत के लगभग 57 प्रतिशत जिले वर्तमान में उच्च से बहुत उच्च हीट रिस्क की स्थिति में हैं। इन जिलों में भारत की कुल आबादी का 76 प्रतिशत हिस्सा रहता है।

दिल्ली स्थित क्लाइमेट एंड एर्जी थिंक-टैंक काउंसिल ऑन एनर्जी एनवायरनमेंट एंड वाटर द्वारा प्रकाशित अध्ययन के अनुसार सबसे हीट रिस्क वाले 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में दिल्ली, महाराष्ट्र, गोवा, केरल, गुजरात, राजस्थान, तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश शामिल हैं।

स्टडी में यह भी पाया गया कि पिछले दशक में बहुत गर्म दिनों की तुलना में बहुत गर्म रातों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। अध्ययन में रिसर्चर्स ने 734 जिलों के लिए एक हीट रिस्क इंडेक्स विकसित किया, जिसमें हीट ट्रेंड, भूमि उपयोग, वॉटर बॉडीज और ग्रीन कवर का अध्ययन करने के लिए 40 साल के क्लाइमेट डेटा (1982-2022) और सैटेलाइट इमेज का उपयोग किया गया था।

रात के समय तापमान का बढ़ना खतरनाक माना जाता है, क्योंकि शरीर को ठंडा होने का मौका नहीं मिलता। शहरी गर्मी के कारण रात के समय तापमान में वृद्धि अधिक आम है, जिसमें मेट्रो क्षेत्र अपने आसपास के इलाकों की तुलना में काफी गर्म होते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, बहुत गर्म रातों में वृद्धि सबसे अधिक उन जिलों में देखी गई है, जिनकी आबादी बड़ी है। पिछले दशक में, मुंबई में हर गर्मियों में 15 अतिरिक्त बहुत गर्म रातें देखी गईं, बेंगलुरु (11), भोपाल और जयपुर (7-7), दिल्ली (6) और चेन्नई (4)। अध्ययन से पता चला है कि पारंपरिक रूप से ठंडे हिमालयी क्षेत्रों में भी, जहां मैदानी इलाकों और तटों की तुलना में गर्मी की सीमा कम है, बहुत गर्म दिन और बहुत गर्म रातें दोनों में वृद्धि हुई है। यह नाजुक पर्वतीय इको सिस्टम को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है। उदाहरण के लिए जम्मू कश्मीर और लद्दाख जैसे केंद्र शासित प्रदेशों में बहुत गर्म दिनों और बहुत गर्म रातों की संख्या बढ़ गई है। अध्ययन से यह भी पता चला है कि पिछले दशक में उत्तर भारत की गर्मियों की आर्द्रता 30-40 प्रतिशत से बढ़कर 40-50 प्रतिशत हो गई है, जिससे गर्मी का तनाव और भी बढ़ गया है, खासकर सिंधु-गंगा के मैदानी इलाकों में जहां खेत मजदूर बाहर काम करते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि आउटडोर काम करने वाले, गर्भवती महिलाएं, बुजुर्ग, बच्चे और पुरानी स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित लोगों को हीट एग्जॉस्ट और हीटस्ट्रोक का ज्यादा जोखिम होता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 1998 से 2017 के बीच हीटवेव के कारण 1,66,000 से ज्यादा लोगों की मौत हुई। भारत में 2010 के बाद से सबसे ज्यादा हीटवेव के दौर में पिछले साल हीटस्ट्रोक के 48,000 से अधिक मामले दर्ज किए गए और हीट से जुड़ी 159 मौतें हुईं।

कल झायडस हॉस्पिटल बड़ौदा द्वारा मेडिकल कैम्प पडवाल हॉस्पिटल मेघनगर के सहयोग से हुआ सम्पन्न...

पडवाल हॉस्पिटल - मेघनगरवाल हॉस्पिटल - मेघनगर

डॉ. राहुल शाह- हेड-नेक सर्जरी विशेषज्ञ

डॉ.कौशिक राणा मस्तिष्क रोग विशेषज्ञ

डॉ. किशोर नायक, पडवाल हॉस्पिटल, मेघनगर

झाबुआ।संजय जैन-सह संपादक। कल झायडस हॉस्पिटल बड़ौदा द्वारा मेडिकल कैम्प पडवाल हॉस्पिटल मेघनगर के सहयोग से संपन्न हुआ। जिसमे मस्तिष्क रोगों के विशेषज्ञ डॉ. कौशिक राणा और हेड-नेक सर्जरी के विशेषज्ञ डॉ. राहुल शाह ने कैम्प में आये काफी मरीजो की जांच की। आपको बता दे कि जन सेवा के उद्देश्य से इस कैम्प में परामर्श शुल्क मात्र 500 रुपये रखा गया था,जबकि बड़ोदा में 1 हजार 500 से 2 हजार तक मरीजो को बतौर परामर्श शुल्क अदा करना है। इस मानव सेवा का लाभ काफी मरीजो ने उठाया।

पडवाल हॉस्पिटल के डॉ. किशोर नायक हर बार मानव सेवा में रहते है अग्रसर... पडवाल हॉस्पिटल के किशोर नायक ऐसे मानव सेवा के कार्य में हमेशा अग्रसर ही रहते है,यह बात पूरा जिला भली भांति से जानता भी है। पडवाल हॉस्पिटल मेघनगर, झाबुआ जिले के लिए एक बेहतरीन मेडिकल हब के रूप में जाना भी जाता है। डॉ. नायक आये दिन विशेषज्ञ डॉक्टरों का कैम्प काफ़ी रियायत दर पर करवाते रहते है,जिससे जिले की जनता को काफी राहत भी मिलती है।डॉ.नायक ने बताया कि आज के कैम्प में काफी मरीज लाभान्वित हुए है। मैं झायडस हॉस्पिटल बड़ौदा का बेहद आभार प्रकट करता हूँ ।इनकी टीम ने मेरे छोटे से निवेदन पर बड़ोदा से मेघनगर आकर अपनी सेवाएं दी।

अज्ञात चोरो द्वारा एकीकृत शासकीय माध्यमिक विद्यालय ढाबलामाधोसिंह में चोरी की वारदात

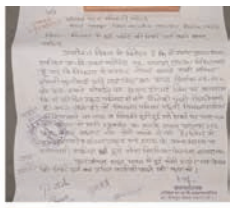

कमल राठौर भानपुरा - संस्था प्रधान हरिश नामदेव नें थाना प्रभारी भानपुरा को आवेदन दिया की आज दिनांक 28-05-2025 को विधालय में मध्याह्न भोजन बनाने वाली महिला श्रीमती भिन्नी बाई पति लालसिंह द्वारा सुबह 9 बजे मोबाइल फोन पर सूचना दी गई की में प्रतिदिन विद्यालय परिसर में लगें पौधो को पानी पिलाने पंहुची तो परिसर में स्थित मध्याह्न भोजन कक्ष का ताला व खिड़की टूटी हुई थी देखने पर पता चला की कक्ष में लगा ट्यूबवेल का स्टार्टर एंव लगभग 200 फीट केबल अज्ञात चोर चोरी कर के ले गये है । सुचना मिलने पर खंड शिक्षा अधिकारी को दी गई। विधालय के प्रधानाध्यापक हरिश नामदेव तथा विद्यालय स्टाफ के अन्य शिक्षक व ग्रामवासी उपस्थित हुए, मौका स्थिति का पंचनामा बनाया गया तथा भानपुरा थाना में उक्त चोरी की घटना की रिपोर्ट की गई व पंचनामा की प्रतिलिपि की एक - एक काफी संकुल केंद्र व विकास

उज्जैन पुलिस की दो बड़ी सफलताएँ

महिदपुर पुलिस की सफलता

जगदीश परमार उज्जैन पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में महिदपुर पुलिस ने पाँच माह से फरार चल रहे इनामी आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी का नाम दशरथ पिता रतनलाल है, जिसकी उम्र 44 वर्ष है और वह रसूलपुरा मोहल्ला का निवासी है।आरोपी के खिलाफ प्रकरण क्रमांक 21/2025, धारा 119(1), 296, 351(3), 131 भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज था। पुलिस अधीक्षक द्वारा उसकी गिरफ्तारी के लिए ?5000 का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस टीम ने तकनीकी विश्लेषण और गुप्त सूचना के आधार पर आरोपी की सटीक लोकेशन का पता लगाकर उसे सफलतापूर्वक गिरफ्तार किया। आरोपी को माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहाँ से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस कार्रवाई में निरीक्षक नरेन्द्र बहादुर सिंह परिहार, उप निरीक्षक एम.एस. चौहान, आरक्षक चन्द्रभान सिंह, आरक्षक धर्मेन्द्र पहाड़िया, आरक्षक अनार सिंह और सायबर सेल से कैलाशचंद्र की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पंवासा पुलिस की सफलता उज्जैन पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में पंवासा पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 300 क्वार्टर देशी मसाला शराब और एक टीयूवी कार बरामद की है। आरोपी का नाम श्रेयश राव पिता सुभाष राव अवाड है, जिसकी उम्र 36 वर्ष है और वह गायत्रीनगर आगर रोड उज्जैन का निवासी है। आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। आरोपी के कब्जे से बरामद शराब की कीमत लगभग ?33,000 और वाहन की कीमत लगभग ?6,00,000 है। आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी आर्म्स एक्ट और आबकारी एक्ट के तहत दो प्रकरण दर्ज हैं। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी पंवासा उनि रविन्द्र कटारे, उप निरीक्षक गमर सिंह मण्डलोई, सहायक उप निरीक्षक एम एस अलावा और प्रधान आरक्षक अब्दुल रहीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नवनिर्मित जिनालय में धूमधाम से विराजेंगे मनमोहन पार्श्वनाथ प्रभु

**पियूष कलोसिया तराना- स्थानीय जवाहर चौक में मनमोहन पार्श्वनाथ श्वेतांबर जैन मंदिर का जीर्णोद्धार पूरा हो गया है व सकल जैन समाज जन हर्षोल्लास एवं भक्ति भाव से प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की तैयारी में तन मन धन से अपना सहयोग दे रहे हैं 7 लगभग 500 वर्ष पुराने इस मंदिर में लगे पुराने शिलालेख अनुसार 80 वर्ष पूर्व मंदिर का जीर्णोद्धार कराया गया था व अब पुनः जीर्णोद्धार की आवश्यकता हो रही थी अतः श्री वीर मणि पार्श्वनाथ जैन श्वेतांबर मूर्ति पूजा ट्रस्ट संघ द्वारा जिनालय का नवनिर्माण कराया गया है 7 मंदिर को भव्य स्वरूप में देखने का सपना लिए समाज जन विगत अनेक वर्षों से इसकी रूपरेखा बना रहे थे 7 परम पूज्य मानव विभूषण आचार्य देव श्रीमद् विजय वीर रत्न सुरीश्वर जी महाराज की प्रेरणा से श्रीमद् विजय पदम भूषण रत्न सुरीश्वर जी महाराज के मार्गदर्शन में मंदिर का नवनिर्माण कराया गया साथ ही आराधना हेतु मंदिर के पिछले भाग में बने उपाश्रय का भी जीर्णोद्धार कराया जाकर भव्यता प्रदान की गई है 7 सोमवार से प्रारंभ महोत्सव के दौरान कुंभ स्थापना दीपक स्थापना व ज्वारा रोपण किया गया बुधवार को आचार्य देव विजय पदम भूषण रत्न सुरेश्वर जी महाराज साहब एवं पन्यास प्रवर ऋषभ रत्न विजय जी महाराज आदि साधु साध्वी वृंद का मंगल प्रवेश होगा गुरुवार को पाटला पूजन नवग्रह पूजन आदि होगा व शुक्रवार को प्रातः 8:30 बजे से मंदिर से भव्य शोभा यात्रा नगर के प्रमुख मार्गो से निकाली जाएगी व धर्म सभा आयोजित की जाएगी शनिवार को शुभ मुहूर्त में प्रभु प्रतिष्ठा संपन्न होगी इस दौरान प्रतिदिन मंदिर में प्रभु भक्ति के कार्यक्रम सुंदर अंग रचना आचार्य श्री के प्रवचन एवं विधि कारक तुषार गुरूजी द्वारा प्रतिष्ठा के मंगल विधान कराए जाएंगे संगीतकार दीपक गोयल फालना राजस्थान द्वारा सुमधुर भजनों की प्रस्तुति भी दी जाएगी महोत्सव के अतिथि के रूप में माननीय थावरचंद गहलोत राज्यपाल कर्नाटक सी एम डॉक्टर मोहन यादव कैलाश विजयवर्गीय कैबिनेट मंत्री गौतम टेटवाल जिला प्रभारी मंत्री जिले के विधायक गण आदि को आमंत्रित किया गया है सकल जैन श्री संघ तराना ने भक्तजनों से कार्यक्रम में शामिल होकर धर्म लाभ लेने की अपील की है

खनिज विभाग की कार्यवाही , दो डंपर मुरम सहित एक डंपर गिट्टी का किया जप्त ...

संतोष शर्मा बैरसिया 8878686878-खनिज विभाग भोपाल सहायक खनिज अधिकारी सुचि माथुर द्वारा इन दिनों अपने अमले के साथ खनिज का अवैध खनन एवं परिवहन करने वाले वाहनों पर क्षेत्र में गश्त कर कार्यवाही की जा रही है ।जिसके तहत सोमवार दिनांक 26 मई को सहायक खनिज अधिकारी सुचि माथुर द्वारा क्षेत्र में अवैध उत्खनन परिवहन की जांच कर कार्यवाही की जिसमें बैरसिया में गिट्टी का डंपर क्रमांक द्वश्च 04 5ह्व 8817 अवैध परिवहन करते जप्त किया। वहीं दिनांक 28 मई को अयोध्या नगर थाना क्षेत्र में सुबह 7:30 बजे खनिज मुरम का डंपर क्रमांक द्वश्च 04 द्धद्र 2969 जप्त किया साथ ही तहसील बैरसिया सेमरा गांव के नजदीक खनिज मुरम का डंपर क्रमांक द्वश्च 04 द्धद्र 3159 अवैध खनन परिवहन करते जप्त किया। साथ ही सहायक खनिज अधिकारी सुची माथुर ने बताया कि तहसीलदार बैरसिया से प्राप्त जनसुनवाई आवेदन पर जांच कर ग्राम रामपुरा खुर्द में खनिज मिट्टी के अवैध उत्खनन का प्रकरण भी दर्ज किया गया है।

शनि जयंती पर अभिषेक एवं भंडारा संपन्न हुआ

नरेश राठौड़ कुक्षी- प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी शनि जयंती बड़ी धूमधाम के साथ मनाई गई नगर के सिंचाई कॉलोनी स्थित शनि मंदिर पर प्रातः मंत्रो उचारण के साथ हवन-पूजा विधि-विधान के साथ भगवान शनि देव का अभिषेक किया गया अभिषेक पूजन के पश्चात भगवान की महाआरती कर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया इस अवसर पर मंदिर परिसर पर साज - सजा की गई क्षेत्र के नागरीको की सुबह से ही मंदिर परिसर पर भक्तों द्वारा दर्शन वंदन के लिए आवा जाही प्रारंभ हो गई थी जो रात्रि 11:00 बजे तक चलती रही मान्यता है कि इस दिन विधि पूर्वक पूजा करने से शनि दोष से मुक्ति मिलती है और परिवार में खुशहाली आती है महा प्रसादी का लाभ लगभग 8 से 9 हजार के बीच व्यक्तियो ने प्रसादी ग्रहण की गई मंदीर समिति दुवारा प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से जिसने भी सहयोग किया सभी का आभार व्यक्त किया

शिव ट्रेडर्स

*खेतों और फार्महाउस के लिए सोलर लाइट्स

* गोदामों के लिए मजबूत और टिकाऊ लाइटिंग

* स्ट्रीट लाइट्स, जो लंबे समय तक चलें

* कस्टम सोल्यूशन आपके हर जरूरत के लिए

ऊर्जा बचाएं, सुरक्षा पाएं।

अभी ऑर्डर करें!

9977028927
89591 80581

हार के बाद लखनऊ और पंत को बीसीसीआई ने दिया झटका

धीमी ओवर गति के लिए लगाया 30 लाख रुपये का जुर्माना

लखनऊ सुपर जाएंट्स और उसके कप्तान ऋषभ पंत को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मिली हार के बाद एक और झटका लगा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मैच के दौरान धीमी ओवर गति के लिए टीम के सदस्यों और पंत पर जुर्माना लगाया है। पंत पर मैच फीस का 30 लाख रुपये, जबकि इम्पैक्ट प्लेयर सहित प्लेइंग-11 में शामिल अन्य खिलाड़ियों पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

आईपीएल में बयान में कहा, आईपीएल आचार संहिता के तहत धीमी ओवर गति को लेकर इस सीजन टीम का यह तीसरा अपराध था जिस कारण कप्तान पंत पर 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इम्पैक्ट प्लेयर सहित प्लेइंग-11 में शामिल अन्य खिलाड़ियों पर 12 लाख रुपये या उनकी मैच फीस

का 50 प्रतिशत, जो भी कम हो उतना जुर्माना लगाया जाएगा।

आरसीबी की रोमांचक जीत विराट कोहली की अर्धशतकीय और जितेश शर्मा तथा मयंक अग्रवाल की शतकीय साझेदारी के दम पर आरसीबी ने लखनऊ सुपर जाएंट्स को छह विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ आरसीबी क्वालिफायर-1 में पहुंच गई। अब उसका सामना 29 मई को पंजाब किंग्स से मुल्लांपुर में होगा। मंगलवार को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेले गए लीग चरण के आखिरी मुकाबले में लखनऊ ने ऋषभ पंत की शतकीय पारी के दम पर तीन विकेट खोकर 227 रन बनाए। जवाब में आरसीबी ने 18.4 ओवर में चार विकेट खोकर 230 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। यह आईपीएल का तीसरा सबसे सफल रन चेज है। वहीं, आरसीबी का सबसे बड़ा रन चेज है।

शतक लगाकर पंत ने फॉर्म में की वापसी

इस सीजन रन बनाने के लिए जूझ रहे पंत ने आरसीबी के खिलाफ शतक लगाकर फॉर्म में वापसी की थी। उन्होंने दूसरे विकेट के लिए मिचेल मार्श के साथ 152 रनों की विशाल साझेदारी निभाई। इस दौरान मार्श ने 37 गेंदों में चार चौके और पांच छक्के की मदद से 67 रन बनाए।

गुलवीर ने 10000 मीटर दौड़ में जीता स्वर्ण पदक

पैदल चाल में सेबेस्टियन ने दिलाया कांसा

भारतीय एथलीटों ने एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शानदार शुरुआत की है और पहले ही दिन पदक का खाता खोल लिया है। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक गुलवीर सिंह ने पुरुषों की 10000 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक अपने नाम किया, जबकि उनसे पहले सर्विन सेबेस्टियन ने पुरुषों की 20 किमी पैदल चाल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। इस तरह भारत ने अपना अभियान जीत के साथ शुरू किया।

एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता 26 वर्षीय गुलवीर ने 28 मिनट 38.63 सेकेंड का समय लेकर स्वर्ण पदक जीता। उनका राष्ट्रीय रिकॉर्ड 27:00.22 सेकेंड है जो उन्होंने इस साल की शुरुआत में बनाया था। जापान

के मेबुकी सुजुकी (28:43.84) ने रजत, जबकि बहरीन के अल्बर्ट किबिची रोप (28:46.82) ने कांस्य पदक जीता। भारत ने इस प्रतियोगिता के लिए 59 सदस्यीय दल भेजा है। भारत ने पिछली बार इस चैंपियनशिप में 27 पदक जीते थे।

सेबेस्टियन ने खोला था जीता का खाता इससे पहले दिन में सर्विन सेबेस्टियन ने पुरुषों की 20 किमी पैदल चाल स्पर्धा में एक घंटा 21 मिनट और 13.60 सेकेंड (1:21:13.60) का समय लेकर कांस्य पदक जीतकर भारत का प्रतियोगिता में खाता खोला था। चीन के वांग झाओझाओ (1:20:36.90) और जापान के केंटो योशिकावा (1:20:44.90) ने क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीता। सेबेस्टियन का समय उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 1:21:23 से थोड़ा अधिक था, जो उन्होंने इस वर्ष फरवरी में उत्तराखंड राष्ट्रीय खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के दौरान बनाया था। इस स्पर्धा में भाग ले रहे एक अन्य भारतीय खिलाड़ी अमित 1:22:14.30 समय के साथ पांचवें स्थान पर रहे।

रोमांचक मुकाबले में कार्लसन ने विश्व चैंपियन गुकेश को हराया, अर्जुन एरिगैसी ने दर्ज की जीत

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने अंतिम क्षणों में अपनी विशेषज्ञता का शानदार नमूना पेश करते हुए नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के पहले दौर में मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश को रोमांचक मुकाबले में हराकर पूरे तीन अंक हासिल किए।

कार्लसन ने उठाया गुकेश की गलती का फायदा

पांच बार के विश्व चैंपियन 34 वर्षीय कार्लसन और उनसे आधी उम्र के गुकेश के बीच खेले जा रहे इस मैच को टूर्नामेंट का सबसे बड़ा मुकाबला माना जा रहा था। गुकेश ने चार घंटे से अधिक समय तक चले क्लासिकल शतरंज के इस मुकाबले में अधिकतर समय तक नॉर्वे के गत चैंपियन को दबाव में रखा, लेकिन इसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने एक गलती की जिसका फायदा उठाकर कार्लसन ने 55 चाल में जीत हासिल की।

इस जीत से कार्लसन ने तीन अंक अर्जित किए और वह अमेरिकी ग्रैंडमास्टर और विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी हिकारू नाकामुरा के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं। नाकामुरा ने हमवतन फैबियानो कारूआना को हराया। प्रतियोगिता में भाग ले रहे दूसरे भारतीय खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी ने चीन के नंबर एक खिलाड़ी वेई यी को आर्मागेडन गेम में हराया। इससे पहले क्लासिकल बाजी 54 चाल में बराबरी पर छूटी थी।

एरिगैसी ने चीनी खिलाड़ी को हराया एरिगैसी ने जीत से 1.5 अंक, जबकि वेई ने एक अंक हासिल किया। टूर्नामेंट की स्कोरिंग प्रणाली में क्लासिकल प्रारूप में विजेता को तीन अंक मिलते हैं। यदि क्लासिकल बाजी ड्रा हो जाती है, तो खिलाड़ियों को एक-एक अंक मिलता है और फिर आर्मागेडन में आधे अंक के लिए खेलना होता है।

आखिर में वैशाली एक गलती कर गई जिसका फायदा उठाकर हम्पी ने जीत हासिल की।

कार्लसन और गुकेश का मैच निर्णायक क्षणों तक चला, जिसमें नॉर्वे के खिलाड़ी ने सफेद मोहरों से खेलते हुए अपने प्रतिद्वंद्वी पर आखिर में दबाव बनाकर जीत हासिल की। कार्लसन की शुरुआत हालांकि उम्मीद के अनुरूप नहीं रही और उन्होंने बाद में इसे स्वीकार भी किया।

जीत के बाद क्या बोले कार्लसन? कार्लसन ने कहा, मुझे अभी अहसास हुआ कि मैं कुछ भी नहीं जानता। मैंने उन्हें आश्चर्य चकित करने की कोशिश की। मैंने उसी तरह का खेल खेला जैसे मैं हमेशा खेलते रहा हूं। इस टूर्नामेंट में हर मैच में जीत हासिल करना आसान नहीं है। असल में काले मोहरों से खेल रहे गुकेश ने 11वीं चाल तक अपने प्रतिद्वंद्वी की सफेद मोहरों की बढ़त को बेअसर कर दिया था, जब उन्होंने नॉर्वे के खिलाड़ी को 15 मिनट से अधिक समय तक सोचने पर मजबूर कर दिया था।

लेकिन अब रैपिड और ब्लिट्ज जैसे छोटे प्रारूपों में तथा हाल ही में फ्रीस्टाइल शतरंज में खेलने लगे 34 वर्षीय कार्लसन ने 55 चाल में जीत हासिल करके दिखा दिया कि उन्होंने क्लासिकल प्रारूप के साथ अपना संपर्क नहीं खोया है। इस टूर्नामेंट में ओपन और महिला वर्ग में चोटी के छह छह खिलाड़ी भाग में रहे हैं।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने के भाव में गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 600 रुपये से लेकर 650 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। भाव में कमजोरी आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 97,480 रुपये से लेकर 97,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 89,350 रुपये से लेकर 89,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने का कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी एक लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 97,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 89,500 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी

मुंबई में 24 कैरेट सोना 97,480 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 97,530 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,400 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 97,480 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 89,350 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 97,480 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 97,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 89,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 97,530 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 89,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 97,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 97,480 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 89,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

कार्यालय नगर परिषद अठाना जिला नीमच म.प्र.

email id - cmoathana@mpurban.gov.in Phone 07420-299130

क्रमांक 358/2025 दिनांक 23.05.2025

ऑन लाईन निविदा आमंत्रण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निकाय को निम्नलिखित निर्माण कार्य करवाया जाना है। इस हेतु म.प्र. शासन द्वारा निर्धारित पंजीयन प्रणाली के अन्तर्गत पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्यों पर कम/अधिक/बराबर नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग आई.एस.एस.आर. 02 अगस्त 2021 के अनुसार ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है-

क्र.	ऑन लाईन टेण्डर क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रुपये में) एवं समयावधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं अमानत राशि	निविदा प्रपत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय
1	2025UAD_425935	Aaganwadi Kendra 7 Ward No 13 Athana	951,577.73 06 Month	2,000.00 7,140.00	09/06/2025 5.30pm
2	2025UAD_425937	Windrow Compost Plant Athana	818,027.38 06 Month	2,000.00 6135.00	09/06/2025 5.30pm
3	2025UAD_425947	Consultancy work for survey, Planning, design and drawing word for HAT Bazar Athana (Details Attached in BOQ)	Est. Project Cost-3CR or Above 01 Month 06 Month	2,000.00 5000.00	09/06/2025 5.30pm

1. इच्छुक ठेकेदार विस्तृत निविदा https://mptenders.gov.in/nicgep/app urban admistration department के खण्ड में देखे जा सकते है।
2. ऑन लाईन निविदा के संबंध में निर्धारित वेबसाईट में अंकित अनुसार रहेगी।
3. निर्माण कार्य में प्रयुक्त समस्त प्रकार की टेस्ट रिपोर्ट संबंधित निविदाकार को स्वयं के व्यय पर करवायी जानी होगी।
4. यदि निविदा में किसी प्रकार का संशोधन होता है तो यह वेबसाईट पर ही प्रदर्शित होगा जिसका अलग से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं कराया जावेगा।
5. निर्माण कार्य के दौरान श्रमिकों के कल्याण एवं सुरक्षा हेतु समुचित व्यवस्था म.प्र. लोक निर्माण विभाग के निदेशों के अनुरूप की जाना होगी।
6. अन्य आवश्यक जानकारी कार्यालयीन कार्यदिवस एवं समय में निकाय से प्राप्त की जा सकती है।

रिंका सचिन जैन
अध्यक्ष
नगर परिषद अठाना

ललिता राकेश बैरागी
उपाध्यक्ष
नगर परिषद अठाना

जगजीवन शर्मा
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद अठाना

ADMISSION

OPEN FOR 2025

सभी डिप्लोमा कोर्सेस के लिये चुनिए
एकलव्य आईसेक्ट एकेडमी को
यहां आपको मिलेंगे
सभी डिप्लोमा कोर्सेस कम फीस
बेहतर मार्गदर्शन के साथ

DCA
PGDCA
Diploma in senitary inspector
Diploma in agriculture
Diploma in veterinary assistant

REGISTER NOW

9977028927

Diploma/UG/PG
सभी कोर्सेस में रजिस्ट्रेशन प्रारंभ

www.aklavyaacademy.com

शिक्षा दूर नहीं – अब हर सपना होगा पूरा!

Marketed by Profit pulse

प्रकाशक, मुद्रक धवन माहेश्वरी, मालिक गजेन्द्र माहेश्वरी द्वारा उदयरत्न ऑफसेट, I0/2, दारू गोडाउन के आगे, आगर रोड़, उजैन (मध्यप्रदेश) से मुद्रित, 190, विधापति नगर, नानाखेड़ा, उजैन (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित
संपादक :शानू माहेश्वरी, (9754776006, 7974826006, 8643056464,9575154444) समाचार पत्र में प्रकाशित प्रत्येक समाचार के लिए प्रधान संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों के निपटारे हेतु न्यायालय क्षेत्र उज्जैन ही रहेगा । समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। कानूनी सलाहकार तनुज दीक्षित (अधिवक्ता सुप्रीम कोर्ट) ।